छत्तीसगढ़ विधान सभा

रजत जयंती वर्ष 2025

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति द्वारा छत्तीसगढ़ विधान सभा के सदस्यों को संबोधन

सोमवार, दिनांक 24 मार्च, 2025

(चैत्र 03, शक सम्वत् 1947)

छत्तीसगढ़ विधान सभा सचिवालय

रायपुर, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ विधान सभा

रजत जयंती वर्ष 2025

छत्तीसगढ़ विधान सभा रजत जयंती वर्ष

14 दिसम्बर, 2024 से 2025

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति द्वारा छत्तीसगढ़ विधान सभा के सदस्यों को संबोधन

सोमवार, दिनांक 24 मार्च, 2025

(चैत्र 03, शक सम्वत् 1947)

छत्तीसगढ़ विधान सभा सचिवालय, रायपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ विधान सभा

सोमवार, दिनांक 24 मार्च, 2025

(चैत्र 03, शक सम्वत् 1947)

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति द्वारा छत्तीसगढ़ विधान सभा की रजत जयंती के अवसर पर सदस्यों हेतु संबोधन कार्यक्रम

(माननीय राष्ट्रपति महोदया (श्रीमती द्रौपदी मुर्मु), माननीय राज्यपाल महोदय (श्री रमेन डेका) एवं अध्यक्ष महोदय (डॉ. रमन सिंह) पीठासीन हुए)

समय: 11.33 बजे

(माननीय राष्ट्रपति महोदया का चल समारोह के साथ सभा भवन में आगमन हुआ)

(राष्ट्रगान "जन गण मन" की धुन बजाई गई)

अध्यक्ष महोदय (डॉ.रमन सिंह) :- भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी, माननीय राज्यपाल छत्तीसगढ़ श्री रमेन डेका जी, माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत जी, राज्य मंत्रिमण्डल के सम्माननीय मंत्रिगण, छत्तीसगढ़ की षष्ठम् विधान सभा के पक्ष-प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यगण, इस अवसर पर उपस्थित गणमान्यजन, सम्माननीय पत्रकार साथियों। सर्वप्रथम मैं माननीय राष्ट्रपति महोदया के छत्तीसगढ़ विधान सभा में आगमन पर उनका आत्मीय अभिनंदन करता हूं, स्वागत करता हूं । (मेजों की थपथपाहट)

छत्तीसगढ़ विधान सभा अपनी स्थापना का रजत जयंती वर्ष मना रही है । इसी परिप्रेक्ष्य में सभा के माननीय सदस्यों को संबोधित करने हेतु माननीय राष्ट्रपति महोदया जी का कृपापूर्वक आगमन हुआ है। हम उनके आगमन से अत्यंत हर्षित और अभिभूत हैं । (मेजों की थपथपाहट) माननीय राष्ट्रपति महोदया जी, आप जैसी भद्र विदुषी सरल, सहज व्यक्तित्व की स्वामिनी के सान्निध्य का अवसर हम सबको उत्साह प्रदान करने वाला है । आपका व्यक्तिगत जीवन संघर्ष, आपकी विद्वता और धैयर्ता हम सबके लिये अनुकरणीय है । आपका जीवन हमें विपरीत परिस्थितियों में साहस बनाये रखने की प्रेरणा देता है । आपने देश के जनमानस में अपनी अलग छाप छोड़ते हुए यह सिद्ध किया कि इच्छाशक्ति से व्यक्ति कोई भी असाधारण स्थान पर पहुंच सकता है । आपका कठिन संघर्ष, समर्पित परिश्रम निश्चित ही हम सबके लिये अनुकरणीय

है । आपके सुदीर्घ संसदीय अनुभव, राजनैतिक ज्ञान और आपके जीवन के प्रेरणादायी प्रसंगों से लाभांवित होने का हमें अवसर प्राप्त हुआ है । मैं समझता हूं कि हमारी विधान सभा और हम सबके लिये यह ऐतिहासिक और स्वर्णिम अवसर है ।

छत्तीसगढ़ विधान सभा में यह तीसरा अवसर है, जब सभा के माननीय सदस्यों को संबोधित करने हेतु भारत के माननीय राष्ट्रपति जी का विधान सभा में आगमन हुआ है। (मेजों की थपथपाहट) सबसे पहले "भारतरत्न" राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी ने द्वितीय विधान सभा के कार्यकाल में सभा को संबोधित किया। पश्चात् तृतीय विधान सभा के कार्यकाल में माननीय राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी पाटिल जी का आगमन हुआ था और तीसरी बार भारत के राष्ट्रपति जी का छत्तीसगढ़ में आपका आगमन हुआ है । आपका अभिनंदन है, स्वागत है । (मेजों की थपथपाहट)

यह मेरे लिए व्यक्तिगत उपलब्धि है कि राष्ट्रपति जी के विधान सभा के आगमन के इन तीनों अवसरों पर साक्षी होने का सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ है। (मेजों की थपथपाहट) माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में और माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव जी के नेतृत्व में विकास की नए प्रतिमानों को स्पर्श करने की दिशा में हमारा छत्तीसगढ़ तेजी से आगे बढ़ रहा है। (मेजों की थपथपाहट)

माननीय राष्ट्रपति महोदया जी छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण के साथ छत्तीसगढ़ विधान सभा अस्तित्व में आयी। वर्तमान विधान सभा छत्तीसगढ़ की षष्ठम् विधान सभा है और वर्तमान वर्ष छत्तीसगढ़ विधान सभा की स्थापना का रजत जयंती वर्ष है। मुझे आपको यह अवगत कराते हुए अत्यंत गर्व का अनुभव हो रहा है कि विगत् 25 सालों में छत्तीसगढ़ विधान सभा ने संसदीय परंपराओं और प्रक्रियाओं का पालन करते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ किया है। वर्ष 2005 में छत्तीसगढ़ विधान सभा में अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों एवं सचिवों का सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। वर्ष 2010 में राष्ट्रकुल संसदीय संघ का चतुर्थ Asia India रीजन का ऐतिहासिक अंतर्राष्ट्रीय संसदीय आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। विगत् दो दशकों की अपनी संसदीय यात्रा में छत्तीसगढ़ विधान सभा ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में अपनी उत्कृष्टता से आदर्श उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है, इस पर हम सबको गर्व है।

महोदया जी, मैं मानता हूं कि व्यक्ति की सहज वृत्ति होती है कि वह दूसरों के नियम और कानून लागू करना चाहता है, परंतु स्वयं उनके पालन के प्रति गंभीर नहीं होता। परंतु छत्तीसगढ़ विधान सभा ने इस मिथक को ध्वस्त करते हुए सदन के सदस्यों ने स्वयं अपने लिए अनुशासन की परिधि में रहने का नियम बनाया है। सदन में स्वअनुशासन की हमारी पहल को देश के अन्य संसदीय निकायों ने आदर्श माना है । (मेजों की थपथपाहट)

माननीय राष्ट्रपति महोदया जी, वर्तमान विधान सभा छत्तीसगढ़ की षष्ठम् विधान सभा है। हमारी विधान सभा की कुल सदस्य संख्या 90 है, जिसमें अनुसूचित जनजाति के 30 सदस्य, अनुसूचित जाति के 10 सदस्य, अन्य पिछड़ा वर्ग के 35 सदस्य एवं सामान्य वर्ग के 15 सदस्य हैं । सदन में महिला सदस्यों की संख्या 19 है । इस विधान सभा में प्रथम बार चुनकर आए हुए सदस्यों की संख्या 51 हैं।

महोदया जी, संसदीय लोकतन्त्र का उद्देश्य लोक कल्याण और जन सेवा के लिए है। इस तथ्य को आत्मसात करते हुए अनेक महत्वपूर्ण विधेयकों को छत्तीसगढ़ की विधान सभा ने पारित किया है। हमारी छत्तीसगढ़ विधान सभा में वर्ष 2005 में मातृ शक्ति के सम्मान सुरक्षित रखने की दृष्टि से टोनही प्रताड़ना निवारण के लिए महत्वपूर्ण विधेयक पारित किया। सन् 2011 में लोक सेवा गारंटी विधेयक पारित किया और सन् 2012 में खाद्य सुरक्षा विधेयक पारित कर पूज्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी अन्त्योदय विकास की विचारधारा को व्यवहारिक स्वरूप प्रदान करने का काम किया है। (मेजों की थपथपाहट) राज्य गठन के उपरान्त प्रथम विधान सभा के कार्यकाल से लेकर षष्ठम् विधान सभा के मानसून सत्र, 2024 तक छत्तीसगढ़ विधान सभा द्वारा कुल 565 विधेयकों को पारित किया गया है।

माननीय महोदया जी, छत्तीसगढ़ विधान सभा की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि यहां पक्ष प्रतिपक्ष के माननीय सदस्य के मध्य प्रत्येक परिस्थिति में समादर और संसदीय आचरण का भाव सदैव विद्यमान रहा है। यह विशेषता छत्तीसगढ़ के विधान सभा के अब तक के सभी सदस्यों के श्रेष्ठ संसदीय आचरण, व्यवहार का जीवंत उदाहरण है। मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मैं ऐसे सदन की आसंदी में आसीन हूं, जहां पक्ष और प्रतिपक्ष के सदस्यों के मध्य विचारधारा का अंतर अथवा मतभेद भले ही है, परंतु मनभेद नहीं है। राज्य और देश के विकास के लोक कल्याण के प्रत्येक विषय में पक्ष-विपक्ष एक ही भावना रखते हैं।

माननीय राष्ट्रपति महोदया जी, छत्तीसगढ़ विधान सभा संसदीय प्रक्रिया और परम्पराओं को प्रोत्साहित करने के लिए कृतसंकल्पित है। सभा के सदस्यों के मध्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हो और वे प्रभावी ढंग से अपने संसदीय कौशल को अधिक श्रेष्ठ स्वरूप प्रदान कर सकें, इसके लिए विधान सभा द्वारा उत्कृष्टता अलंकरण के वार्षिक पुरस्कार प्रदान किया जाता है, जिसमें पक्ष-विपक्ष के एक-एक माननीय सदस्य को उत्कृष्टता अलंकरण से अलंकृत किया जाता है। साथ ही विधान सभा प्रत्येक वर्ष श्रेष्ठ संसदीय पत्रकार, कैमरामेन को भी पुरस्कृत करती है। विधान सभा के एक कार्यकाल के लिये जागरूक विधायक पुरस्कार किसी एक माननीय सदस्य उनके श्रेष्ठ संसदीय आचरण, सदन में उपस्थिति और चर्चा में विभिन्न माध्यमों में उनके प्रदर्शन को आधार मानकर उन्हें चयनित और पुरस्कृत किया जाता है।

माननीय राष्ट्रपति महोदया जी, मैं आपको यह भी अवगत कराना चाहता हूं कि वर्तमान भवन राज्य बनने के पश्चात यहां वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में विधान सभा का संचालन हो रहा है। हमारी यह विधान सभा शीघ्र ही नया रायपुर स्थित नवीन विधान सभा भवन में स्थानान्तरित होगी। इस विधान सभा की सुखद स्मृतियों में एक पृष्ठ और जुड़ गया, जब अपनी व्यस्तम दिनचर्या के मध्य आपने हमारे आमंत्रण को स्वीकार करते हुए सभा के सदस्यों को संबोधित करने हेतु कृपापूर्वक सहमति दी। आपकी इस उदारता के लिए मैं अपनी ओर से, अपनी विधान सभा की ओर से और छत्तीसगढ़ के नागरिकों की ओर से आपके प्रति हृदय से कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं। (मेजों की थपथपाहट) आपका स्नेह हमें अनवरत् मिलता रहे, इसी भावना के साथ अपनी वाणी को विराम देता हूं। जय छत्तीसगढ़, जय हिन्द।

समय: 11.44 बजे

(माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं माननीय नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत द्वारा माननीय राष्ट्रपति महोदया श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का शॉल, श्रीफल से सम्मान किया गया एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया)

अध्यक्ष महोदय :- माननीय राज्यपाल महोदय के करकमलों से **'सदस्य सन्दर्भ'** पुस्तिका का विमोचन किया जायेगा।

समय: 11.45 बजे

(माननीय राज्यपाल महोदय श्री रमेन डेका द्वारा "सदस्य संदर्भ" पुस्तिका का विमोचन किया गया)

(माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा "सदस्य संदर्भ" पुस्तिका की प्रथम प्रति माननीय राष्ट्रपति महोदया को भेंट की गई)

अध्यक्ष महोदय :- माननीय नेता प्रतिपक्ष जी से अनुरोध है कि वह कृतज्ञता ज्ञापित करने का कष्ट करें ।

नेता प्रतिपक्ष (डॉ. चरणदास महंत) :- परम आदरणीय माननीय राष्ट्रपति महोदया, आदरणीय राज्यपाल महोदय, हमारे अध्यक्ष महोदय आदरणीय डॉ. रमन सिंह जी, हमारे मुख्यमंत्री आदरणीय श्री विष्णु देव साय जी, समस्त मंत्रीगण, हमारे समस्त सदस्यगण, उपस्थित आदरणीय नागरिकगण, हमारे पत्रकारगण और राष्ट्रपति जी के साथ आए सभी अधिकारीगण।

आदरणीय राष्ट्रपति महोदया, छत्तीसगढ़ में आपके आगमन से हम कृतार्थ हुए हैं। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि आपने यहां आने का समय दिया, उसके लिए हम सब साथियों की ओर से आपका अभिनन्दन करते हैं। (मेजों की थपथपाहट) आपकी सहजता, आपकी विनम्रता, आपका सादगी भरा व्यवहार भारत में ही नहीं, बल्कि विश्व में जाना जाता है और आपकी वाणी से, व्यवहार से जो हम सब लोग सीखते हैं, उससे हम ही अभिभूत नहीं, बल्कि देश के अनेक हिस्सों में, विदेश के अनेक हिस्सों में आप चर्चा का विषय बने हुए हैं।

माननीय राष्ट्रपति महोदया, आपका आगमन छत्तीसगढ़ विधान सभा के लिए ऐतिहासिक अवसर है। जैसा कि आप जानते ही हैं कि यह तीसरा अवसर है, जब छत्तीसगढ़ के विधायकगण को यह सौभाग्य मिला है। मैं हम सबकी ओर से अनुग्रहित प्रस्तुत करता हूं और यह कहना चाहता हूं कि आपका गृह राज्य ओडिशा और हमारा छत्तीसगढ़ है, उसमें वर्षों से ही नहीं, बल्कि सदियों से एक आपसी रिश्ता है। वह रिश्ता रोज महानदी की धार के रूप में आपके यहां जाता है । हमारे लोग आपको वहां महसूस करते हैं, यहां से हमारे सुख, दु:ख के समाचार आपको मिलते रहते हैं। माननीय महोदया, भगवान जगन्नाथ जी की कृपा जो आपके यहां विशेष रूप से बरसती है। वहां ऐसा माना जाता है कि भगवान जगन्नाथ जी एक दिन के लिए छत्तीसगढ़ के शिवरीनारायण में आते हैं और तब से हम लोग शिवरीनारायण से जगन्नाथ जी तक जाने के लिए पहले यहां रोज पदयात्रा करते थे, आज तो पदयात्रा नहीं कर पा रहे हैं और जब छत्तीसगढ़ की परिकल्पना हुई थी, उस उद्भव के समय यहां सिर्फ 36 घर थे, जिसे हमने छत्तीसगढ़ के नाम से धीरे-धीरे विकसित किया। यहां छत्तीसगढ़ बनने के बाद, जैसा कि हम सब जानते हैं कि यहां राजाओं का 36 गढ़ रहा । माननीय राष्ट्रपति महोदया, मुझे यह कहने में संकोच नहीं है कि हमारे 12 गढ़ आपके ओडिशा राज्य में जाकर शामिल हो गये हैं। इसलिए हमारा घर ओडिशा लगता है और ओडिशा वालों को लगता है कि हमारे घर के बहुत सारे लोग यहां हैं। (मेजों की थपथपाहट) जैसा कि आप जानते हैं कि सम्बलपुर, बरगढ़, कालाहाण्डी, यह सब हमारे छत्तीसगढ़ से संबंधित रहे हैं और यहां हमारे रिश्तेदार और आपके रिश्तेदार मिल-जुलकर रहते हैं इसलिए जगन्नाथ जी की कृपा बनी हुई है। यह सौभाग्य का विषय है कि छत्तीसगढ़ से जगन्नाथ जी के लिए चावल जाता है, जिसे हम लोग विष्णुभोग के नाम से लगाना शुरू किये थे, यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। (मेजों की थपथपाहट) पुरातनकाल में हम लोग ऐसे सौभाग्यशाली है, ऐसा माना जाता है कि शिवरीनारायण में माता शबरी ने हम सबके पूज्यनीय रामचन्द्र जी को मीठे या जूठे बेर खिलाये थे। वह स्नेह और प्यार सबके मन में भरा हुआ है। हम ऐसा मानते हैं कि हमारा राज्य कौशल प्रदेश माता कौशल्या जी के नाम से जाता है। हमारा रामचन्द्र जी के साथ रिश्ता है। हम लोग उन्हें भांजा मानते हैं। छत्तीसगढ़ में यह परंपरा है कि हम लोग अपने भांजे के पांव छूते हैं। उसी नाम से पांव छूते हैं कि छत्तीसगढ़ में भगवान राम रहे, आये और वह हमारे भांजा हैं, इसलिए हम उनको आदरभाव करते हैं। पूरे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर से हमारा और आपका बहुत आत्मीय संबंध है, जिसे हम सब लोगों को स्वीकार करना ही चाहिए। आदरणीय, हमारे माननीय अध्यक्ष महोदय की कृपा से आप यहां आईं, आपने हम सबको कृतार्थ किया। हम आदरणीय अध्यक्ष महोदय जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहते हैं। (मेजों की थपथपाहट)

से जुड़े अहम् विषयों पर काफी कुछ सीखने को मिला है । आज हम लोगों का सौभाग्य है कि ऐसे लम्बे समय से जिन्होंने राजनीति के क्षेत्र में विभिन्न पदों पर रहकर देश की सेवा की है, आज वे हम लोगों के बीच में उपस्थित हैं । हमारे देश के आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी कहते हैं कि सीखने की प्रक्रिया निरन्तर चलनी चाहिए, सीखने की उम्र नहीं होती । आज हम लोग शिष्य भाव से आपको सुनेंगे और आपके अनुभवों का लाभ लेंगे, मार्गदर्शन लेंगे और हम सब मिलकर विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए संकल्पबद्ध हैं । मैं फिर से एक बार पूरे छत्तीसगढ़ की जनता की तरफ से आपका स्वागत अभिनंदन करता हूं । आपने अपने व्यस्तम् दिनचर्या में से समय निकालकर हमें आशीर्वचन देने पधारे । हम आपके बहुत-बहुत आभारी हैं ।

अध्यक्ष महोदय :- मैं माननीय राज्यपाल महोदय से उद्बोधन हेतु अनुरोध करता हूं ।

माननीय राज्यपाल महोदय (श्री रमेन डेका) :- मेडम द्रौपदी मुर्मु जी, Honorable President of India, डॉ. रमन सिंह जी, Honorable Speaker Chhattisgarh legislative Assembly, श्री विष्णुदेव साय, Honorable Chief minister of Chhattisgarh, डॉ. चरणदास महंत Honorable leader of Opposition, श्री अरुण साव Honorable Deputy Chief minister of Chhattisgarh, श्री विजय शर्मा Honorable Deputy Chief minister of Chhattisgarh and सम्माननीय सदन । आज हम सब यहां Chhattisgarh Assembly के रजत जयंती समारोह के अवसर पर उपस्थित हुए हैं । हम अपने राज्य के 25 वर्षों की यात्रा का उत्सव मना रहे हैं । यह हमारे लिए गर्व और उत्साह का क्षण है । इस महत्वपूर्ण अवसर पर सबसे पहले मैं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी का स्मरण करना चाहूंगा, जिन्होंने छत्तीसगढ़ के विकास और यहां के निवासियों की aspirations को समझते हुए इसे स्वतंत्र राज्य के रूप में स्थापित करने का सपना देखा था। (मेजों की थपथपाहट) इस "अटल प्रतिज्ञा" को पूरा करने के लिए उन्होंने निरंतर प्रयास किए, जिसके फलस्वरूप 1 नवम्बर, 2000 को छत्तीसगढ़ भारत के 26 वें राज्य के रूप में स्थापित हुआ । (मेजों की थपथपाहट) छत्तीसगढ़ के रजत जयंती वर्ष को मेरी सरकार ने 'अटल निर्माण वर्ष' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है । इस दौरान Infrastructure Development के कार्य प्राथमिकता से किए जाएंगे, जिससे हम अटल जी के सपनों के अनुसार समृद्ध और Developed छत्तीसगढ़ का निर्माण कर सकेंगे । Chhattisgarh Assembly ने अपनी 25 वर्षों की यात्रा पूरी कर ली है । आज इन 25 वर्षों की यात्रा को हम गर्व और सम्मान के साथ याद कर रहे हैं । इस Historical Occasion पर मैं Honorable President Madam का हृदय से स्वागत करता हूं । जिनकी उपस्थिति इस समारोह को और भी special बनाती है । यह भी गर्व का विषय है कि विधान सभा के माननीय सदस्यों को तीसरी बार Honorable President के संबोधन को सुनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। (मेजों की थपथपाहट)

विधान सभा ने अपनी 25 वर्ष की इस यात्रा में जनता के Aspirations को पूरा करने के साथ Democratic values और Parliamentary Traditions को intact रखने में Ideal Establish किया है। विधान सभा ने अपनी इस यात्रा में विधान सभा rules में Members के assembly well में जाने पर Automatic suspension के महत्वपूर्ण नियम को लागू किया है, जो देश की सभी विधान सभाओं के लिए एक example है और इसे पूरे देश में Appreciate किया जाना चाहिए । जब छत्तीसगढ़ विधान सभा की

स्थापना हुई तो यह केवल एक Administrative unit नहीं था बल्कि यहां के लोगों के Aspirations को साकार करने का Symbol था । मैं Honorable President मेडम को बताना चाहूंगा कि present विधान सभा के 90 member में महिला MLA की संख्या 19 है, जो कुल members का 21.11 percentage है यह Women Empowerment का best example है ।

Chhattisgarh राज्य Tribal dominated होने के साथ natural beauty और resources से rich है। धान का कटोरा और 36 रियासतों के गढ़, Chhattisgarh का Tribal culture, folk art, tradition, language, history अदभुत है। देश की आजादी में हमारे ancestors का Unforgettable योगदान रहा है। हमें गर्व है कि महान आध्यात्मिक गुरू, विचारक और समाज सुधारक Swami Vivekanand ने अपने किशोर जीवन के कुछ महत्वपूर्ण वर्ष Chhattisgarh में बिताये हैं। यहां के वातावरण ने उनके spiritual development में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। Chhattisgarh में Mata Shabari, Sant Kabir Das, Pujya Baba Guru Ghasidas, Mahaprabhu Vallabhacharya, Chhattisgarh's first martyr Veer Narayan Singh, Martyr Gundadhur, Gahira Guru, Swami Atmanand, Sant Pawan Diwan, Minimata, जैसे great personalities हुए हैं।

Honorable President Madam, आपकी presence हमें याद दिलाती है कि यह विधान सभा भारत के constitutional framework का एक अभिन्न अंग है। यहां के विधायक न केवल Chhattisgarh के बल्कि पूरे देश के Democracy के Patron हैं। आपने अपने busy schedule में से Valuable समय हमें दिया, इसके लिए हम आपके आभारी हैं। आपके अल्प समय के आगमन से हम सब overwhelmed हैं और मेरा निजी मत है कि आपके संबोधन को सुनने के पश्चात् माननीय सदस्यगण parliamentary functions और democratic values के प्रति अपने Positive एवं Excellent role के performance के लिए और अधिक commited होंगे। साथ ही विधान सभा public interest, और state के interest के लिए Committed होकर, राज्य के विकास को प्राथमिकता देने में कामयाब होगी।

अंत में मैं इस विधान सभा के सभी पूर्व और वर्तमान सदस्यों को उनकी जनता के प्रति loyalty, dedication के लिए बधाई देता हूं। रजत जयंती वर्ष हमें नई प्रेरणा देता है। हम सभी मिलकर यह संकल्प लें कि आने वाले वर्षों में Chhattisgarh विधान सभा समृद्ध Chhattisgarh के सपने को और strong बनायेंगे। यहां हर नागरिक को समान अवसर, हर क्षेत्र को Prosperity और हर परंपरा को सम्मान मिले, यही हमारा लक्ष्य है। "छत्तीसगढ़िया, सबले बढ़िया" यहां की पहचान है। (मेजों की थपथपाहट) आइए आज हम सभी मिलकर संकल्प लें कि Chhattisgarh को प्रगति के पथ पर आगे ले जायेंगे। जय हिन्द जय छत्तीसगढ़।

अध्यक्ष महोदय :- मैं माननीय राष्ट्रपति महोदया जी से सादर अनुरोध करता हूं कि वे षष्ठम् विधान सभा के माननीय सदस्यों को संबोधित करने का कष्ट करें। माननीय राष्ट्रपति महोदय। (मेजों की थपथपाहट)

माननीय राष्ट्रपति महोदया (श्रीमती द्रौपदी मुर्मु) :- छत्तीसगढ़ विधान सभा के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित इस विशेष समारोह में उपस्थित छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका जी, विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी, छत्तीसगढ़ विधान सभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत जी, विधान सभा के माननीय सदस्यगण एवं माननीय अतिथियों, देवियों और सज्जनों। नमस्कार! जय जोहार। (मेजों की थपथपाहट)

छत्तीसगढ़ विधान सभा के पचीसवां वर्ष के उत्सव के गाड़ा-गाड़ा बधाई! (मेजों की थपथपाहट)

छत्तीसगढ़ राज्य में लोकतन्त्र के इस उत्सव में आप सबके साथ शामिल होकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना तत्कालीन प्रधानमंत्री, श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के असाधारण मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई थी। इस अवसर पर हम सब उनके प्रति आभार व्यक्त करते हैं और उनके सम्मान में सादर नमन करते हैं। (मेजों की थपथपाहट)

आप सबके बीच आकर मुझे ओडिशा विधान सभा में विधायक के रूप में अपने समय की यादें ताजा हो रही हैं। मैं अपने अनुभव से यह कह सकती हूं कि विधायक की जिम्मेदारी निभाना, जन-सेवा की भावना से प्रेरित व्यक्ति के लिए बड़े सौभाग्य की बात होती है। विधान सभा, राज्य के निवासियों की आकांक्षाओं को व्यक्त करते हुए और उन्हें कार्यरूप देते हुए देखने से जनता बहुत उत्साहित होती है। विधान सभा राज्य की संस्कृति से प्रभावित भी होती है और उसे दिशा भी प्रदान करती है।

इस विधान सभा के इतिहास के बारे में जानकर यह मान्यता और भी मजबूत हो जाती है कि 'छत्तीसगढ़िया सब ले बढ़िया'। इस विधान सभा ने लोकतान्त्रिक परम्पराओं के उच्चतम मानक स्थापित किए हैं। छत्तीसगढ़ विधान सभा ने सदन की कार्रवाई के दौरान गर्भगृह में आ जाने वाले सदस्यों के स्वयमेव निलंबन का असाधारण नियम बनाया है तथा उसका पालन किया है। मुझे यह जानकर भी बहुत प्रसन्नता हुई है कि पचीस वर्षों के दौरान कभी भी मार्शल का उपयोग नहीं करना पड़ा। छत्तीसगढ़ विधान सभा ने केवल शेष भारत ही नहीं बल्कि विश्व की सभी लोकतांत्रिक प्रणालियों के सामने श्रेष्ठ संसदीय आचरण का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है। इसके लिए छत्तीसगढ़ विधान सभा के पूर्व तथा वर्तमान विधायकों की जितनी भी तारीफ, प्रशंसा की जाए वह कम है। (मेजों की थपथपाहट)

माननीय सदस्यगण, छत्तीसगढ़ राज्य को मातृ-शक्ति का रूप कहा जा सकता है। जैसे कि आप माता शबरी का उल्लेख किए, जैसे भारत-माता को नमन करते हुए हम सभी भारतवासी 'वंदे मातरम्' का गायन करते हैं, वैसे ही इस सुंदर राज्य के सम्मान में गाया जाता है:

जय-जय छत्तीसगढ़ महतारी भारत के सच्छात चिन्हारी।
यह राज्य सही अर्थों में भारत-माता का साक्षात प्रतीक है। (मेजों की थपथपाहट)

नारी-शक्ति के संदर्भ में छत्तीसगढ़ की महिला विभूति मिनी-माता का पुण्य स्मरण सहज ही आ जाता है। भारत की संसदीय परंपरा में उनका बहुत ही सम्मानित स्थान है। वे पहली लोक सभा के कार्यकाल के दौरान छत्तीसगढ़ के अंचल से संसद में जाने वाली पहली महिला जन-सेवक थी और लगातार पांच बार लोक सभा सांसद रही थीं। स्वयं वंचित वर्ग से आने वाली मिनी-माता ने लोगों के कल्याण और उत्थान के लिए निरंतर कार्य किया था। (मेजों की थपथपाहट)

मुझे बताया गया है कि इस सदन में उन्नीस महिला विधायक हैं। वर्ष 2023 के विधान सभा चुनाव में महिला मतदाताओं की कुल संख्या पुरुषों की अपेक्षा अधिक थी। इस प्रकार, इस सदन को छत्तीसगढ़ की माताओं, बहनों और बेटियों का विशेष समर्थन प्राप्त हुआ है। मैं विधायक बहनों से अनुरोध करती हूं कि आप सब जीवन के हर क्षेत्र में कार्यरत अन्य सभी बहनों को आगे बढ़ाने में सदैव तत्पर रहे। जब आप सभी बहनें, राज्य में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं को आगे बढ़ाएंगी तो उन महिलाओं पर सबका ध्यान जाएगा और उनके विकास के मार्ग प्रशस्त होंगे। चाहे वे शिक्षक हों या अधिकारी, समाज-सेविका हों या उद्यमी, वैज्ञानिक हों या कलाकार, मजदूर हों या किसान, प्रायः हमारी बहनें दिन-प्रतिदिन की घरेलू जिम्मेदारियों को निभाते हुए तथा कठिन संघर्ष करते हुए बाहर की दुनिया में अपना स्थान बनाती हैं। जब सभी बहने एक-दूसरे को सशक्त बनाएंगी, तब हमारा समाज और भी अधिक मजबूत और संवेदनशील बनेगा। (मेजों की थपथपाहट)

इस सदन के सभी विधायकों को, विशेषकर महिला विधायकों को यह प्रयास करना चाहिए कि अगली विधान सभा में महिला सदस्यों की संख्या में बढ़ोतरी हो। महिला विधायकों की संख्या में वृद्धि, 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' की भावना के अनुरूप होगी। प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी Women Led Development यानी महिलाओं के नेतृत्व द्वारा विकास की हमारी राष्ट्रीय सोच को भी कार्यरूप देगी। (मेजों की थपथपाहट)

छत्तीसगढ़ में अस्सी प्रतिशत लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं और उनका जीवन मुख्यतः कृषि पर आधारित है। लगभग बत्तीस प्रतिशत आबादी अनुसूचित जनजाति के लोगों की है। राज्य की ढाई करोड़ से अधिक की आबादी में महिलाओं और पुरुषों की संख्या लगभग बराबर है। राज्य के कुछ अंचलों और समुदायों में महिलाओं की संख्या पुरुषों से अधिक है। नौ सौ इक्यानवे के स्वस्थ sex-ratio के साथ, छत्तीसगढ़ देश के उन राज्यों में है, जिन पर हम गर्व कर सकते हैं। (मेजों की थपथपाहट)

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि छत्तीसगढ़ विधान सभा ने समावेशी कल्याण एवं विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए हैं। रुढ़ियों पर आधारित प्रताड़ना से समाज को, विशेषकर महिलाओं को मुक्त करने का अधिनियम समाज को छत्तीसगढ़ विधान सभा का एक ऐतिहासिक योगदान है। उस अधिनियम को स्वरूप देते समय, वर्तमान विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जी मुख्यमंत्री थे तथा विधान सभा को नेतृत्व प्रदान करते थे। मुझे बताया गया है कि अब तक छत्तीसगढ़ विधान सभा ने पांच सौ पैंसठ विधेयक पारित किए हैं, जिनमें अनेक विधेयक अंत्योदय तथा समावेशी विकास के लक्ष्यों से प्रेरित हैं। इस उपलब्धि के लिए मैं सभी पूर्व एवं वर्तमान विधान सभा सदस्यों की बहुत-बहुत सराहना करती हूं। (मेजों की थपथपाहट)

छत्तीसगढ़ में विकास की असीम संभावनाएं विद्यमान हैं। सीमेंट, खनिज, उद्योग, स्टील, एल्यूमिनियम तथा विद्युत उत्पादन जैसे क्षेत्रों में विकास के प्रचुर अवसर हैं। यहां के पारंपरिक लोक शिल्प की देश-विदेश में सराहना होती है। आपका यह सुंदर राज्य हरे-भरे जंगलों, झरनों तथा अन्य प्राकृतिक वरदानों से समृद्ध है। आपके राज्य को महानदी, हसदेव, इंद्रावती और शिवनाथ जैसी नदियों का आशीर्वाद प्राप्त है। आपके राज्य को आधुनिक विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी सुनिश्चित करना है। राज्य के आप सब नीति-निर्माताओं पर विकास और प्रकृति के बीच संतुलन स्थापित करने की जिम्मेदारी है। इसके साथ ही समाज के सभी वर्गों को आधुनिक विकास-यात्रा से जोड़ना भी आपका उत्तरदायित्व है।

मुझे बताया गया है कि वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित लोगों को समाज की मुख्य धारा में जोड़ने का कार्य अंतिम और निर्णायक दौर में पहुंच गया है। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लोग विकास के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहते हैं। मुझे विश्वास है कि छत्तीसगढ़ को उग्रवाद से पूर्णतया मुक्त करने के प्रयास में आप सब शीघ्र ही सफलता प्राप्त करेंगे और राज्य के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ेंगे। (मेजों की थपथपाहट)

आप सभी विधायकों के दिशा निर्देश के लिए गुरु घासीदास जी का 'मनखे-मनखे एक समान' अर्थात 'सभी मनुष्य एक समान हैं' का आदर्श विद्यमान है। आज से लगभग दो सौ पचास वर्ष पहले उन्होंने वंचितों, पिछड़ों और महिलाओं की समानता के लिए समाज सुधार का जो संकल्प लिया था, उसे आप सबको सिद्ध करना है तथा समानता और सामाजिक समरसता पर आधारित श्रेष्ठ छत्तीसगढ़ का निर्माण करना है। (मेजों की थपथपाहट)

मुझे विश्वास है कि छत्तीसगढ़ की विधान सभा राज्य की समग्र उन्नति को समुचित दिशा प्रदान करती रहेगी। जिस तरह आप सबने आदर्श विधान सभा का उदाहरण प्रस्तुत किया है, उसी तरह आप सब आदर्श राज्य के रूप में विकसित छत्तीसगढ़ का आदर्श भी प्रस्तुत करेंगे।

मैं नेता प्रतिपक्ष जी से सहमत हूं कि आप जैसे कि बरगढ़, संबलपुर, कालाहांडी को छत्तीसगढ़ का हिस्सा समझते हैं, हम भी रायपुर को उड़ीसा का एक हिस्सा समझते हैं। (मेजों की थपथपाहट)

प्रशासनिक दृष्टि से परिसीमन की व्यवस्था है। परिसीमन की कोई सीमा है, लेकिन दिल की कोई दीवाल नहीं है। दिल से हम सब एक हैं, चाहे वह छत्तीसगढ़ हो, उड़ीसा हो या झारखंड हो। हम सब एक हैं। (मेजों की थपथपाहट) नाम अलग हो सकता है, नाम अलग-अलग है, लेकिन एक हैं। जगन्नाथ केवल उड़ीसा के नहीं, विश्वत् के जगत के नाथ हैं। छत्तीसगढ़ का जो छप्पन पोहटी चावल, जो रोज वहां पकाया जाता है, वह छत्तीसगढ़ का है, जिसे कि विश्व के लोग खाते हैं। चाहे राम हो या शबरी हो, ये एक पुण्य भूमि है, एक तप भूमि है, एक पवित्र भूमि है। इस पवित्र भूमि का नाम छत्तीसगढ़ या उड़ीसा का एक हिस्सा हो, लेकिन ये देश हम लोगों का है। यह भारत देश है, हम सब एक हैं इसीलिए मुझे छत्तीसगढ़ से बहुत लगाव है। मैं यहां पांच-दस बार तो आ चुकी हूं। छत्तीसगढ़ के लोग बहुत अच्छे हैं, इसीलिए शायद बहुत अच्छी कहावत रखी गई है कि 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया"। इसी विश्वास के साथ मैं छत्तीसगढ़ के सभी निवासियों तथा जन-प्रतिनिधियों के स्वर्णिम भविष्य की मंगल-कामना करती हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद! जय हिन्द। जय भारत। जय छत्तीसगढ़। (मेजों की थपथपाहट)

अध्यक्ष महोदय :- राष्ट्रपति महोदया, इस कार्यक्रम के समापन की अनुमति चाहता हूँ।

(अनुमति प्रदान की गई)

समय: 12.17 बजे

(राष्ट्रगान "जन गण मन" की धुन बजाई गई)

(माननीय राष्ट्रपति महोदया ने चल समारोह के साथ भवन से प्रस्थान किया)

दिनेश शर्मा
सचिव
छत्तीसगढ़ विधान सभा

रायपुर (छ.ग.)
दिनांक : 24 मार्च, 2025

छत्तीसगढ़ विधान सभा

रजत जयंती वर्ष 2025

श्रीमती द्रोपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति के छत्तीसगढ़ विधान सभा आगमन एवं माननीय सदस्यों को सम्बोधन से संबंधित छायाचित्र

सोमवार, दिनांक 24 मार्च, 2025

मान. राज्यपाल श्री रमेन डेका द्वारा श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी का पुष्प गुच्छ से स्वागत

मान. विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह द्वारा श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी का पुष्प गुच्छ से स्वागत

मान. मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी का पुष्प गुच्छ से स्वागत

मान. नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत द्वारा श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की मान. राष्ट्रपति जी का पुष्प गुच्छ से स्वागत

मान. संसदीय कार्य मंत्री श्री केदार कश्यप द्वारा श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की मान.राष्ट्रपति जी का पुष्प गुच्छ से स्वागत

सचिव, विधान सभा श्री दिनेश शर्मा द्वारा श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की मान.राष्ट्रपति जी का पुष्प गुच्छ से स्वागत

श्री विक्रम सिसोदिया, सचिव मान. विधान सभा अध्यक्ष द्वारा श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी का पुष्प गुच्छ से स्वागत

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी का वृक्षारोपण हेतु प्रस्थान

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी द्वारा वृक्षारोपण

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी का मान. सदस्यों के साथ समूह छायाचित्र हेतु प्रस्थान

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी का सेंट्रल हाल में आगमन

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी का मान. सदस्यों के साथ समूह छायाचित्र

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी का सदन में प्रवेश

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी का सदन में आगमन

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी के सदन में आगमन पश्चात् राष्ट्रगान

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी के आगमन अवसर पर मान. विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह द्वारा स्वागत भाषण

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी को सदन में मान. विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मान. मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा शाल, श्रीफल, समृति चिन्ह भेंट

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी को सदन में मान. विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मान. मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, मान. नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट

मान. राज्यपाल श्री रमेन डेका द्वारा विधान सभा की ''सदस्य संदर्भ'' पुस्तक का विमोचन

मान. राज्यपाल श्री रमेन डेका द्वारा विधान सभा की ''सदस्य संदर्भ'' पुस्तक का विमोचन उपरांत पुस्तक की प्रथम प्रति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी को भेंट

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी के आगमन अवसर पर मान. मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा स्वागत भाषण

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी के आगमन अवसर पर अधिकारी दीर्घा में उपस्थित छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन एवं शासन के वरिष्ठ अधिकारीगण

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी के आगमन अवसर पर मान. राज्यपाल श्री रमेन डेका द्वारा सदन को संबोधन

मान. विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह द्वारा श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी को सदन को संबोधित करने हेतु आमंत्रण

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी द्वारा सदन को संबोधन

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी द्वारा सदन को संबोधन

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी द्वारा सदन को संबोधन

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी द्वारा सदन को संबोधन

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी के सदन में संबोधन के उपरांत राष्ट्रगान

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति जी के आगमन पर सदन में विधान सभा सचिव श्री दिनेश शर्मा, मान. राष्ट्रपति की सचिव श्रीमती दीप्ती उमाशंकर, मान. राज्यपाल के सचिव श्री डॉ. सी. आर. प्रसन्ना एवं विधान सभा के वरिष्ठ अधिकारीगण

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया के सदन से प्रस्थान अवसर पर
मान. मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा अभिवादन

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया के सदन से प्रस्थान पर
श्री अरूण साव, उप मुख्यमंत्री, श्री विजय शर्मा, उप मुख्यमंत्री द्वारा अभिवादन

छत्तीसगढ़ विधान सभा सचिवालय

रायपुर, छत्तीसगढ़